SANGAM SCHOOL OF EXCELLENCE

A WORLD SCHOOL

HINDI COURSE OUTLINE

fgUnh Hkk'kk ch

2014-16

COURSE DESCRIPTION:

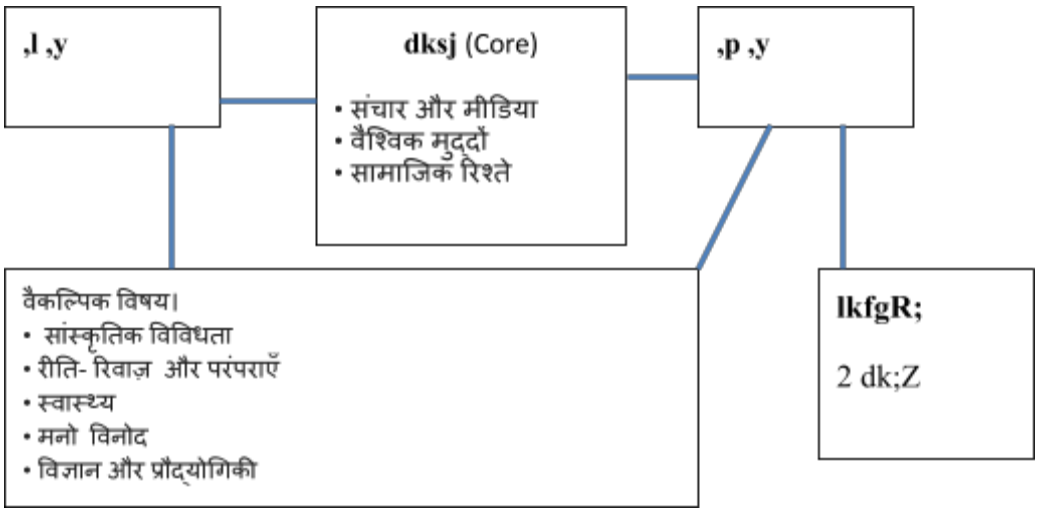

हिंदी भाषा बी (HL /SL) छात्रों के लिए एक अतिरिक्त भाषा सीखने का पाठ्यक्रम है।
इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा अधिग्रहण, सांस्कृतिक समझ, और भाषा कौशल का विकास करना हैं. ये पाठ्यक्रम, भाषा कौशल, लिखने और बोलने सामग्री की एक श्रृंखला का अध्ययन और प्रयोग के माध्यम से विकसित किया जाता है.

हिंदी बी SL एवं HL दोनों का पाठ्यक्रम दो स्तर में बांटा गया है जो है :-
अनिवार्य विषय
• संचार और मीडिया
• वैश्विक मुद्दों
• सामाजिक रिश्ते

वैकल्पिक विषय।
• सांस्कृतिक विविधता
• रीति- रिवाज़ और परंपराएँ
• स्वास्थ्य
• मनो विनोद
• विज्ञान और प्रौद्योगिकी

, एस. एल. और एच. एल दोनों के विद्यार्थी, पांच विकल्पों में से किन्हीं दो बिन्दुओं का चयन कर अपनी भाषा को विकसित कर सकते है :
अंक निर्धारण रूपरेखा (SL) Total Teaching Hours - 150
बाह्य निर्धारण रूपरेखा

प्रश्नपत्र -१ (१ घंटा ३० मिनट)
४ अनुच्छेद पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न ४५ अंक (२५ प्रतिशत)
प्रश्नपत्र - २ (१ घंटा ३० मिनिट)
लिखित प्रतिक्रिया ५ लिखित विषयों में से १ विषय पर २५० शब्दों में लेखन २५ अंक (२५ प्रतिशत)

लिखित निर्दिष्टीकरण
लाभात्मक व ग्रहणशील लेखन - कौशल
अनिवार्य विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित तीन लेखों को पढ़कर ९५०-२०० शब्दों के मूलाधार के साथ ३०० से ४०० शब्दों का आलेख ।
आंतरिक मूल्याँकन
१ मौखिक परीक्षा (IO) व्यक्तिगत प्रस्तुतीकरण
विद्यार्थी को वैकल्पिक विषयों में से दो विषय पर चित्र तथा उसका शीर्षक दिया जाएगा । विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार किसी एक विषय पर १५ मिनट की तैयारी के साथ प्रस्तुतीकरण (३ से ४ मिनट) देगा और अध्यापक के साथ विषय पर चर्चा (५ से ७ मिनट) अंक २० प्रतिशत ।

२ अंतर - सक्रिय मौखिक गतिविधि (Interactive Oral Activity)
कक्षा की तीन गतिविधियों का अध्यापक द्वारा मूल्याँकन अंक (१० प्रतिशत)

अंक निर्धारण रूपरेखा (HL) Total Teaching Hours - 240
बाह्य निर्धारण रूपरेखा

प्रश्नपत्र -१ (१ घंटा ३० मिनट) Text Handling

५ अनुच्छेद पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न ४५ अंक (२५ प्रतिशत)
प्रश्नपत्र - २ (१ घंटा ३० मिनिट) Written Production
प्रश्नपत्र - २ (Written Production) १ घंटा ३० मिनिट
भाग - १ लिखित प्रतिक्रिया ५ लिखित विषयों में से किसी एक विषय पर २५० शब्दों में रोचक लेखन । (२५ प्रतिशत)
भाग - २ अनिवार्य विषय में से दिए गए लेख या मुद्दे पर १५० से २०० शब्दों में प्रतिक्रिया ।

लिखित निर्दिष्टीकरण (Written Assessment)
लाभात्मक व ग्रहणशील लेखन - कौशल
दो साहित्यिक विधाओं को पढ़कर किसी एक विधा पर २०० शब्दों में मूलाधार तथा ५०० से ६०० शब्दों में आलेख । (२० प्रतिशत)
आंतरिक मूल्याँकन (Internal Assessment)
१ मौखिक परीक्षा (IO) व्यक्तिगत प्रस्तुतीकरण
विद्यार्थी को वैकल्पिक विषयों में से किसी एक विषय पर चित्र तथा उसका शीर्षक दिया जाएगा । विद्यार्थी उस विषय पर १५ मिनट की तैयारी के साथ प्रस्तुतीकरण (३ से ४ मिनट) देगा और अध्यापक के साथ विषय पर चर्चा (५ से ७ मिनट) अंक २० प्रतिशत ।

२ अंतर - सक्रिय मौखिक गतिविधि (Interactive Oral Activity)
कक्षा की तीन गतिविधियों का अध्यापक द्वारा मूल्याँकन अंक (१० प्रतिशत)

मुख्य कौशल	सुनना : छात्रों को आदर्श वाचन से विभिन्न कहानियाँ ,समाचार व रोचक घटनाएँ सुनाई जाएँगी । बोलना: छात्रों को हिंदी भाषा में धाराप्रवाह बनाने के लिए तैयार किया जायेगा. कोर्स के अंत तक वे सहज औपचारिक और अनौपचारिक बातचीत में काल, शब्दावली का उपयोग करने में सक्षम होंगे. पढ़ना : छात्र प्रामाणिक ग्रंथों की एक किस्म की व्याख्या और विशिष्ट भाषा को पढ़ कर समझ पाएँगे । लिखना : छात्र विभिन्न विधाओं में लिखना सीख जाएँगे तथा व्याकरण का व्यावहारिक प्रयोग कर पाएँगे ।

% awarded grade	1	2	3	4	5	6	7	*Mean*
May 2011 Results	0	0	0	0	0	2	0	*6*
May 2013 Result	0	0	0	0	0	2	0	*6*

HINDI B ASSESSMENT DATES HL & SL

Class Test Schedule:

प्रत्येक खंड के दौरान विभिन्न रचनात्मक मूल्यांकन

Practice examination Schedule:

Sr. no.	Dates of Exams	Units / topics	% of syllabus
Term exam			
Oct. 2014	**7- 16 Oct.**	• वैश्विक मुद्दों	**30 %**
Feb. 2015	**4- 10 Feb.**	• संचार और मीडिया	**55 %**
Oct. – Nov. 15	**26th Oct- 6th Nov**	• सामाजिक रिश्ते	**80 %**
Feb. 2016	**1st- 10TH Feb.**		**100 %**

AIMS AND OBJECTIVES:

समूह 2 के उद्देश्य हैं:

1. छात्रों की अंतर-सांस्कृतिक समझ विकसित करना
2. छात्रों को भाषा समझने के लिए सक्षम बनाना और वे भाषा के संदर्भों का उपयोग विभिन्न प्रयोजनों के लिए कर सकेंगे
3. विभिन्न विषयों के ग्रंथों के अध्ययन के माध्यम से अन्य संस्कृतियों के लोगों की अलग अलग दृष्टिकोण की समझ विकसित कर पाएंगे और भाषा के माध्यम से सामाजिक संपर्क, जागरूकता और प्रशंसा के माध्यम से प्रोत्साहित कर पाएंगे
4. ज्ञान के अन्य क्षेत्रों (AOK) में भाषा की भूमिका के प्रति छात्रों की जागरूकता विकसित करना.
5. भाषाओं और संस्कृतियों , जिसके साथ वे परिचित हैं, के बीच संबंधों के बारे में जागरूकता विकसित करना
6. एक अतिरिक्त भाषा के उपयोग के माध्यम से आगे के अध्ययन, कार्य और मनोरंजन के लिए एक आधार प्रदान करना
7. एक अतिरिक्त भाषा के ज्ञान के माध्यम से आनंद, रचनात्मकता और बौद्धिक उत्तेजना के लिए अवसर प्रदान करते हैं।

OBJECTIVES:

भाषा बी पाठ्यक्रम के लिए लक्ष्य हैं:

1.भाषाई क्षमता और सांस्कृतिक समझ का प्रदर्शन, स्थितियों की एक श्रृंखला में स्पष्ट रूप से और प्रभावी ढंग से संवाद में उपयोग कर पाएंगे
2. पारस्परिक और / या सांस्कृतिक संदर्भों के लिए उपयुक्त भाषा का उपयोग कर पाएंगे
3. भाषा का उपयोग समझने , विचारों को सटीकता से व्यक्त करने और प्रतिक्रिया देने के लिए कर पाएंगे
4. एक स्पष्ट, सुसंगत और ठोस तरीके से, विषयों की दूरी पर विचारों को व्यवस्थित कर पाएंगे
5. विषय वस्तु को समझने , विश्लेषण करने, लिखने और बोलने के लिए भाषा का उपयोग कर पाएंगे
6. अध्ययन की गयी भाषा को समझ कर उसमे लिखे साहित्य का उपयोग कर पाएंगे

HOW THE COURSE ADDRESSES:

- **International mindedness**

  हिन्दी द्वितीय भाषा की जो विषय - वस्तु है वह स्व से परे विश्व से जोड़ती है ,"वसुधैव कुटुम्बकम् " की भावना का संचार करती है क्योंकि इस विषय की विषय - वस्तु में सम्पूर्ण विश्व के ज्वलंत मुद्दे ,समाजिक संबंध , रीति -रिवाज और परम्पराएँ व संचार व मीडिया है जो व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से जोड़ती है तथा विश्व के सभी देशों की संस्कृति और उनकी भावनाओं का आदर करना सिखाती है तथा आवश्यकता पड़ने पर एक -दूसरे की सहायता करने को प्रेरित करती है ।वह किसी देश-काल सीमा में बंधी न होकर शाश्वत है । हिन्दी बी हमारे मन के पूर्वाग्रह से बाहर निकाल कर हमारी सोच को नई दिशा प्रदान करती है ।

- **TOK**

  भाषा हमारे विचारों की संवाहिका है । हिन्दी भाषा को छात्र द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ते है ।निर्धारित विषय - वस्तु के अन्तर्गत वे अनेक ज्वलंत मुद्दों ,समस्याओं की जानकारी प्राप्त करते है । जानने की इस प्रक्रिया में उनका **ज्ञान बोध** ,उनकी **भावनाएँ** , उनकी **कल्पना शक्ति** , उनका विश्वास उनके अध्ययन को बोधगम्य बनाता है ।इससे प्रेरित हो कर विभिन्न क्षेत्रों में प्रश्न और उनके समाधान की खोज करते है ।

भाषा **मानव विज्ञान** से संम्बधित है अत: विद्यार्थी की सोच का क्षेत्र विस्तृत होता जाता है साथ ही हमारी आचार नीति , हमारा धार्मिक ज्ञान हमारे ज्ञान की खोज को विस्तार देकर उनकी जिज्ञासाओं को सही समाधान प्रदान कर उनके ज्ञान का संवर्धन में योगदान देती है ।

भाषा के गहन अध्ययन से विद्यार्थी जितना अधिक विषयों की गहराई में जाते है उतना अधिक ज्ञान का प्रकाश विद्यार्थियों का मार्ग प्रशस्त करता है ।

- **E E (विस्तृत निबंध)**

  आई बी पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों में से किसी एक विषय पर विस्तृत निबंध लिखने का प्रावधान है । इस कार्य के अन्तर्गत छात्र अपने रूचि के विषय में से किसी एक शीर्षक को लेकर निबंध लिखते है ।

  द्वितीय भाषा हिन्दी में विस्तृत निबंध लिखने के लिए तीन क्षेत्र निर्धारित है - (1) भाषा (2) संस्कृति और (3) साहित्य । इनमें से विद्यार्थी किसी एक विषय को चुनने के लिए स्वतंत्र है ।स्वेच्छा से चुने गए विषय पर छात्र अपने शिक्षक के साथ विषय से सम्बंधित विस्तृत चर्चा कर एक शोध प्रश्न तैयार करते है और इस शोध प्रश्न के आधार पर अपने निबंध की रूपरेखा तैयार करते है ।

  निर्धारित समय पर विद्यार्थी विषय से संम्बधित जानकारी के आधार पर शोध कार्यों को विभिन्न चरणों में लिखकर अपने शिक्षक के साथ चर्चा करते है ।

  विस्तृत निबंध द्वारा छात्रों की विषय संम्बधित जानकारी का विकास तो होता ही है साथ ही साथ लेखन कौशल को भी एक दशा मिलती है । यह लेखन कार्य मौलिक होता है अत: छात्र स्वयं अपने ज्ञान का अर्जन करते है । द्वितीय भाषा के रूप में विद्यार्थियों ने अनेक विषयों को शोध का आधार बनाया ।

- IB LEARNER PROFILE

साहित्य का अध्ययन करने वाले विद्यार्थिओं को सीखने की प्रक्रिया में निम्न बिन्दुओं को ध्यान में रखना आवश्यक है:		
Inquirers **जिज्ञासु**	ये प्रकृति से जिज्ञासु होते हैं Iये स्वाभाविक रूप से अपनी जिज्ञासा का विकास करते हैं I कुशलता से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सञ्चालन करते हैंI आत्म निर्भर होतें हैं I क्रियात्मक रूप से ज्ञान प्राप्त करने में रुचि रखते हैं Iउनका यह प्रेम दीर्घ काल तक उनके जीवन में रहता है I	विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे प्रश्न पूछे और अपनी शंकाओं का निवारण करेंIउन्हें अपनी राय प्रस्तुत करनी चाहिए .वे किसी भी विषयवस्तु /चरित्र/घटना का आलोचनात्मक ढंग से मूल्यांकन करने में स्वतंत्र होते हैं I.
Knowledgeable **बुद्धिमान**	ये समस्याओं का निदान तात्कालिक स्थान और परिवेश के अनुसार करने में समर्थ होते हैं Iसमस्या के समाधान के लिए ये गहन अध्ययन से जानकारी प्राप्त कर विनयपूर्वक संतुलित और व्यापक रूप से समाधान करने में समर्थ होते हैं I	विद्यार्थी विभिन्न परिप्रेक्ष्य में अपनी समझ को विकसित करते हैं
Thinkers **विचारक**	ये कठिन परिस्थितियों में भी सोच विचार कर काम करते हैं Iकठिन परिस्थितियों में भी निपुणता से समस्या को समझकर तर्क संगत एवं नैतिक निर्णय लेने में समर्थ होते हैं I	वे स्वयं को चरित्रों के स्थान पर देखकर विचारते हैं Iवे या तो स्वयं निर्णय लेते हैं अथवा चरित्रों द्वारा दिए गए निर्णयों को न्यायसंगत सिद्ध करतें हैं
Communicators **संचारक**	ये दूसरे के विचारों को एक से अधिक भाषाओं में समझते हैं Iअपने विचारों को कलात्मक ढंग से और विश्वास के साथ प्रकट करने में समर्थ होते हैं I ये सामंजस्य और स्वेच्छा से दूसरों के साथ विविध शैलियों में काम करते हैं और प्रभावशाली होते हैंI	उन्हें अपने विचारों को हिंदी अथवा अन्य किसी भाषा में प्रकट करना आना चाहिए I
Principled **सिद्धांतवादी**	ये किसी भी व्यक्ति ,समूह अथवा समुदाय के सम्मान के लिए पूरी एकाग्रता, ईमानदारी व न्यायप्रियता के भाव से काम करते हैं Iये अपने सभी कार्यों व उनके परिणामों की जिम्मेदारी लेते है I	विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में पूर्ण ईमानदारी का निर्वाह करना चाहिए और उन्हें इस बात का अनुमान होना चाहिए कि अपने प्रत्येक कार्य व व्यवहार की जिम्मेदारी उनकी अपनी है Iउन्हें न्यायप्रिय और निष्पक्ष होना चाहिए
Open-minded **उदार मनस्क**	ये अपनी संस्कृति और व्यक्तिगत वृतांतों को अच्छी तरह समझते हैं तथा सराहना करते हैं Iये अपने साथ दूसरों के सामाजिक मूल्यों को भी महत्व देते हैं Iये दूसरों की भावना और विचारों का सम्मान करतें है Iये अनुभव द्वारा विकास के लिये सदा तत्पर रहते हैं I.	उन्हें हर बात के सभी पहलुओं को समझना चाहिए Iउन्हें उनकी समानता और विभिन्नता के साथ स्वीकार करना चाहिये Iउन्हें अलग अलग समूहों के साथ कार्य करने को तैयार होना चाहिए I

Caring **संवेदनशील**	ये दूसरों की भावनाओं के प्रति सदा सहानुभूति, संवेदनशीलता व आदर का भाव रखते हैं Iइनमें सेवा के प्रति एक समर्पण की भावना होती है और समाज तथा पर्यावरण के लिए ये सदैव सकारात्मक बदलाव की दिशा में काम करते हैं	दूसरों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए भले ही वे उनकी बात से सहमत न हों I
Risk-takers **जोखिम उठानेवाला**	ये अनजानी परिस्थितियों के प्रति दूरदर्शितापूर्ण व साहसपूर्ण रवैया अपनाते हैं Inयी भूमिकाओं, दृष्टिकोणों और तौर तरीकों का ये पूरे स्वातंत्र्य भाव से अन्वेषण करते हैं Iअपने विश्वासों के प्रति ये साहसी और सुस्पष्ट होते है	उन्हें बेहतर कारणों के लिए मौजूदा धरनों को चुनौती देने को तत्पर होना चाहिए Iकिसी भिन्न विचार ,व्यक्ति अथवा सोचने के तरीके से भयभीत नहीं होना चाहिए I
Balanced **संतुलित**	संतुलित लोग व्यक्तिगत कल्याण व अन्य सभी के कल्याण हेतु बौद्धिक और भावनात्मक संतुलन के महत्व को अच्छी तरह समझते हैं I	इनमे समय और स्रोतों के संतुलित उपयोग की सामर्थ्य होनी चाहिए Iभावनात्मक रूप से स्थिर होने चाहियें I.
Reflective **परावर्तक**	अपने अनुभव व अधिगम पर ध्यान देते हैं Iये अपनी खूबियों व दुर्बलताओं को भली भांति समझते व उनका मूल्यांकन करने में सक्षम होते हैं जिसके फलस्वरूप ये अपने अधिगम व व्यक्तिगत उत्थान को सहारा दे पाते हैं I.	इन्हें अच्छा विचारक होना चाहिए और विवेकपूर्वक विषय अथवा परिस्थिति का मूल्यांकन कर अपने विचार प्रस्तुत करने चाहिए I

Syllabus Break up HL (IB DP 1st year)

Sr. No.	Month	Contents	Teaching Hrs
1	July ,14	विश्वव्यापी मुद्दे (ग़रीबी व अकाल)	19.5
2	August,14	संचार एवं मीडिया (इन्टरनेट)	15
3	September,14	स्वास्थ्य (भोजन और स्वास्थ्य)	13
4	October,14	स्वास्थ्य (नशे की आदतें)	8
5	November,14	संचार एवं मीडिया (रेडियो और टेलिविज़न) महादेवी वर्मा की कहानियाँ (मेरा परिवार)	12
6	December,14	रीति -रिवाज एवं प्रथाएँ (समाजिक एवं धार्मिक रीति -रिवाज)	18
7	January,15	विश्वव्यापी मुद्दे (भोजन और पानी)	12.75
8	February,15 23 and 24 Feb	समाजिक संबंध (परिवार व समाज) IO and WA Introduction	6.75
9	March,15 16th March	समाजिक संबंध(समाजिक व्यवस्था) IOA-1	18
10	April,15 15th April 21st April	विश्वव्यापी मुद्दे (ग्लोबल वार्मिग) (प्रेमचन्द की प्रसिद्ध कहानियाँ) IOA-1 IOA-3	18
11	June,15	संचार एवं मीडिया (समाचार पत्र)	10
		TOTAL	151

Syllabus Break up HL (IB DP 2nd year) 2015-16

Sr. No.	Month	Contents	Teaching Hrs
1	July ,15 16th July 22nd July	समाजिक संबंध (शिक्षा) WA-1 WA-2	19
2	August,15 18th to 20th Aug 26th to 28th Aug	संचार एवं मीडिया (सनसनी ख़बरों का असर) IO-2 IO-3	16
3	September,15 4th to 9th Sep	विश्वव्यापी मुद्दे (पर्यावरण) IO Final	16
4	October,15	स्वास्थ्य (महामारी)	13
5	November,15	रीति-रिवाज एवं परम्पराएँ (भोजन व पहनावा)	9
6	December,15	मनोरंजन ,अवकाश (यात्रा ,खेल)	16
7	January,16	मनोरंजन (रूचियाँ)	14
8	February,16	विश्वव्यापी मुद्दे (प्रवास)	9
9	March,16	संचार एवं मीडिया (समाजिक एप्लिकेशन)	15
10	April,16	समाजिक संबंध (रिश्तेदारी ,परिवार व कार्य स्थल)	17
		TOTAL	144

Subject:- Hindi B SL

Syllabus Break up (IB DP 1st year)

Sr. No.	Month	Contents	Teaching Hrs

1	July ,14	विश्वव्यापी मुद्दे (ग़रीबी व अकाल)	12.75
2	August,14	संचार एवं मीडिया (इन्टरनेट)	9
3	September,14	स्वास्थ्य (भोजन और स्वास्थ्य)	9
4	October,14	स्वास्थ्य (नशे की आदतें)	5
5	November,14	संचार एवं मीडिया (रेडियो और टेलिविज़न) महादेवी वर्मा की कहानियाँ (मेरा परिवार)	7
6	December,14	रीति -रिवाज एवं प्रथाएँ (समाजिक एवं धार्मिक रीति -रिवाज)	11.25
7	January,15	विश्वव्यापी मुद्दे (भोजन और पानी)	8.25
			4.25
8	February,15 23 and 24 Feb	समाजिक संबंध (परिवार व समाज) IO and WA Introduction	11.25
9	March,15 16th March	समाजिक संबंध(समाजिक व्यवस्था) IOA-1	10
10	April,15 15th April 21st April	विश्वव्यापी मुद्दे (ग्लोबल वार्मिंग) IOA-1 IOA-3	6
11	June,15	संचार एवं मीडिया (समाचार पत्र)	94

Syllabus Break up (IB DP 2nd year)

Sr. No.	Month	Contents	Teaching Hrs
1	July ,15 16th July 22nd July	समाजिक संबंध (शिक्षा) WA-1 WA-2	19
2	August,15 18th to 20th Aug 26th to 28th Aug	संचार एवं मीडिया (सनसनी ख़बरों का असर) IO-2 IO-3	16
3	September,15 4th to 9th Sep	विश्वव्यापी मुद्दे (पर्यावरण) IO Final	16
4	October,15	स्वास्थ्य (महामारी)	13
5	November,15	रीति-रिवाज एवं परम्पराएँ (भोजन व पहनावा)	9
6	December,15	मनोरंजन ,अवकाश (यात्रा ,खेल)	16
7	January,16	मनोरंजन (रूचियाँ)	14
8	February,16	विश्वव्यापी मुद्दे (प्रवास)	9
9	March,16	संचार एवं मीडिया (समाजिक एप्लिकेशन)	15
10	April,16	समाजिक संबंध (रिश्तेदारी ,परिवार व कार्य स्थल)	17
		TOTAL	144

COURSE OVER VIEW **SYLLABUS OUTLINE (Higher level and standard level)**

SL assessment specifications – First assessment 2015

First examinations 2015

Assessment component	Weighting
External assessment	**70%**
Paper 1 (1 hour 30 minutes): Receptive skills Text-handling exercises on four written texts, based on the core.	25%
Paper 2 (1 hour 30 minutes): Written productive skills One writing exercise of 250–400 words from a choice of five, based on the options.	25%
Written assignment: Receptive and written productive skills Inter-textual reading followed by a written task of 300–400 words plus a 150–200 word rationale, based on the core.	20%
Internal assessment Internally assessed by the teacher and externally moderated by the IB.	**30%**
Individual oral (8–10 minutes) Based on the options: 15 minutes' preparation time and a 10 minute (maximum) presentation and discussion with the teacher.	20%
Interactive oral activity Based on the core: Three classroom activities assessed by the teacher.	10%

HL assessment specifications – First assessment 2016

First examinations 2015

Assessment component	Weighting
External assessment	**70%**
Paper 1 (1 hour 30 minutes): Receptive skills Text-handling exercises on five written texts, based on the core.	25%
Paper 2 (1 hour 30 minutes): Written productive skills Two compulsory writing exercises. Section A: One task of 250–400 words, based on the options, to be selected from a choice of five. Section B: Response of 150–250 words to a stimulus text, based on the core.	25%
Written assignment: Receptive and written productive skills Creative writing of 500–600 words plus a 150–250 word rationale, based on one or both of the literary texts read.	20%
Internal assessment Internally assessed by the teacher and externally moderated by the IB.	**30%**
Individual oral (8–10 minutes) Based on the options: 15 minutes' preparation time and a 10 minute (maximum) presentation and discussion with the teacher.	20%
Interactive oral activity Based on the core: Three classroom activities assessed by the teacher.	10%

Written assignment

Assessment criteria are used to assess the written assignment, which is worth 20% of the overall mark.

There are three assessment criteria.

Criterion A	Rationale and task	10 marks
Criterion B	Organization and development	6 marks
Criterion C	Language	8 marks
	Total	**24 marks**

Section B

There are two assessment criteria.

Criterion A	Language	10 marks
Criterion B	Argument	10 marks
	Total	**20 marks**

Written assignment

Assessment criteria are used to assess the written assignment, which is worth 20% of the overall mark.

There are three assessment criteria.

Criterion A	Rationale and task	10 marks
Criterion B	Organization and development	6 marks
Criterion C	Language	8 marks
	Total	**24 marks**